IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 6, Issue 2, March 2026
Impact Factor: 8.2

महामारी के बाद भारतीय शेयर बाजार में अस्थिरता का विश्लेषण: निवेशक व्यवहार

डॉ. शिवांशु पांडेय

अतिथि विद्वान - वाणिज्य विभाग

शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय रीवा मध्य प्रदेश

सारांश

कोविड-19 **महामारी** (2020) **के बाद भारतीय शेयर बाजार में अस्थिरता में उल्लेखनीय परिवर्तन देखा गया। महामारी के दौरान भारत** VIX 80 **के ऊपर पहुंच गया था**, **जबकि** 2021-2025 **के बीच यह औसतन** 10-24 **के बीच रहा**, **जिसमें वैश्विक स्पिलओवर** (S&P 500, STOXX **यूरोप आदि से**) **प्रमुख रहे।** NSE (Nifty 50) **ने लचीलापन दिखाया**—VAR-DCC-GARCH **और वेवलेट विश्लेषण से पता चलता है कि बाजार झटकों के बाद तेजी से समायोजित होता है**, **लेकिन** S&P 500 **और यूरोपीय सूचकांकों से मध्यम से उच्च स्पिलओवर प्रभावित करता है। रिटेल निवेशकों की भागीदारी में अभूतपूर्व वृद्धि हुई**; **डीमैट खातों की संख्या कोविड पूर्व लगभग** 4 **करोड़ से** 2024 **तक** 14 **करोड़ तक पहुंच गई** (CDSL **डेटा**), **जबकि** SEBI Investor Survey 2025 **के अनुसार** 3.21 **करोड़ घराने** (9.5% **पेनेट्रेशन**) **प्रतिभूति बाजार में निवेश कर रहे हैं। युवा और टियर**-2/3 **शहरों के निवेशक मोबाइल ऐप्स**, **सोशल मीडिया और** herd behavior **से प्रभावित हुए**, **लेकिन** F&O **में** 91% **रिटेल निवेशक घाटे में रहे** (SEBI FY25)**। यह अध्ययन माध्यमिक डेटा** (NSE, SEBI, RBI) **और** GARCH **मॉडल पर आधारित है। निष्कर्ष**: **बाजार लचीला है लेकिन निवेशक**

Copyright to IJARSCT
www.ijarsct.co.in
DOI: 10.48175/IJARSCT-31575

IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 6, Issue 2, March 2026
Impact Factor: 8.2

शिक्षा, जोखिम प्रबंधन और रेगुलेटरी सुधार आवश्यक हैं। अध्ययन नीति-निर्माताओं और निवेशकों को अस्थिरता प्रबंधन के लिए मार्गदर्शन देता है।